Downloaded From : http://cbseportal.com/

कक्षा–10
विषय–हिन्दी
(प्रश्नमाला)

प्र0–1 (बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए।

(क) रामविलास शर्मा ख्याति प्राप्त कवि हैं।

(ख) इलाचन्द्र जोशी सफल उपन्यासकार हैं।

(ग) 'मैला आँचल' शैलेश मटियानी का प्रसिद्ध उपन्यास है।

(घ) 'इरावती' वृन्दावनलाल वर्मा की रचना है।

2. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए।

(क) रामचन्द्र शुक्ल महान कवि के रूप में प्रसिद्ध है।

(ख) 'संस्कृत के चार अध्याय' के लेखक 'रामधारी सिंह दिनकर' हैं।

(ग) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र रीतिकाल के रचनाकर हैं।

(घ) 'स्कन्दगुप्त' धर्मवीर भारती की रचना है।

3. 'मेरी तिब्बत यात्रा' कृति है–

(क) राहुल सांकृत्यायन (ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) जैनेन्द्र (घ) अज्ञेय।

4. 'क्या लिखूँ'? किस विधा की रचना है–

(क) निबन्ध (ख) नाटक

(ग) उपन्यास (घ) कहानी

5. निम्नलिखित कथनों में से कोई कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए–

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(क) जयशंकर प्रसाद प्रसिद्ध समालोचक हैं।

(ख) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद प्रसिद्ध उपन्यासकार हैं।

(ग) रामचन्द्र शुक्ल प्रसिद्ध निबन्धकार हैं।

(घ) डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय कवि के रूप में विख्यात हैं।

6. 'गुनाहों के देवता' उपन्यास के लेखक हैं–

(क) धर्मवीर भारती (ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) अज्ञेय (घ) इलाचन्द्र जोशी

7. 'चिन्तामणि' निबन्ध संग्रह है–

(क) रामचन्द्र शुक्ल (ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) यशपाल (घ) जैनेन्द्र

8. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक सत्य है, उसे पहचानकर लिखिए–

(क) धर्मवीर भारती रीतिमुक्त धारा के कवि हैं।

(ख) 'त्रिवेणी' रामचन्द्र शुक्ल का प्रसिद्ध उपन्यास है।

(ग) 'कुटज' डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी का प्रसिद्ध निबन्ध है।

(घ) 'अर्द्धनारीश्वर' के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं।

9. 'गबन' उपन्यास है–

(क) प्रेमचन्द्र (ख) प्रसाद

(ग) निराला (घ) अज्ञेय

10. निम्नलिखित में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए–

(क) रस–मीमांसा (ख) तितली

(ग) अर्द्धनारीश्वर (घ) गांधी जी की देन।

11. 'प्रेमचन्द्र अपने घर में' किस विधा की रचना है?

(क) आत्मकथा (ख) जीवनी

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ग) कहानी (घ) नाटक

12. निम्नांकित में सही विकल्प का चयन करें–

(क) 'झूठा सच' यशपाल का प्रसिद्ध काव्य है।

(ख) डॉ0 नागेन्द्र ख्याति प्राप्त उपान्यासकार है।

(ग) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद निबन्धकार थे।

(घ) 'गबन' बालकृष्ण भट्ट की कृति है।

13. सही विकल्प का चयन करें–

(क) 'ऐसे थे हमारे बापू' के रचयिता भगवतशरण उपाध्याय है।

(ख) राहुल सांकृत्यायन की 'मेरी तिब्बत यात्रा' एक रिपोतार्ज है।

(ग) 'कलम का सिपाही' जीवनी विधा है।

(घ) 'विचारवीथी' रामचन्द्र शुक्ल का सम्पादित ग्रन्थ है।

14. सही विकल्प का चयन करें–

(क) जयशंकर प्रसाद एक आलोचक है।

(ख) महादेवी की प्रसिद्ध रचना 'गोदान' है।

(ग) 'गुनाहों का देवता' धर्मवीर भारती का उपन्यास है।

(घ) गुलाबराय प्रसिद्ध कवि है।

15. रंगभूमि उपान्यास है–

(क) प्रेमचन्द्र (ख) जैनेन्द्र प्रसाद

(ग) यशपाल (घ) धर्मवीर भारती

16. निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन करें–

(क) जैनेन्द्र कुमार मुख्यत नाटककार हैं।

(ख) प्रेमचन्द्र कहानीकार और उपन्यासकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी कवि और कहानीकार हैं।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(घ) बाबू गुलाबराय एक उपान्यासकार हैं।

17. सही विकल्प का चयन करें–

(क) हरिभाऊ उपाध्याय कवि के रूप में प्रसिद्ध है।

(ख) 'उर्वशी' बाबू गुलाबराय की रचना है।

(ग) रामचन्द्र शुक्ल प्रसिद्ध निबन्धकार एवं समीक्षक के रूप में जाने जाते है।

(घ) लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय महान नाटककार थे।

18. 'आकाशद्वीप' और 'ममता' कृति है–

(क) जयशंकर प्रसाद (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ग) प्रेमचन्द्र (घ) दिनकर

19. निम्नलिखित में से कोई एक कथन सत्य है, उसे पहचानकार लिखिए–

(क) माखनलाल चतुर्वेदी गद्य–काव्य के रचयिता थे।

(ख) 'सुखसागर' इंशाअल्ला खाँ की रचना है।

(ग) महादेवी वर्मा प्रगतिवादी कवयित्रि थी।

(घ) डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय उपान्यासकार थे।

20. निम्नलिखित में से कोई एक कथन असत्य है, उसे पहचानकार लिखिए–

(क) 'त्रिवेणी' रामचन्द्र शुक्ल की रचना है।

(ख) 'तितली' और 'कंकाल' जयशंकर प्रसाद की रचनाएँ है।

(ग) प्रेमचन्द्र को 'उपन्यास सम्राट' कहा जाता है।

(घ) 'कुरूक्षेत्र' दिनकर का उपन्यास है।

21. 'आँधी' और 'प्रतिध्वनि' किस विधा की रचना है–

(क) कहानी (ख) उपन्यास

(ग) निबन्ध (घ) काव्य

22. 'विश्व साहित्य' और 'हिन्दी साहित्य–विमर्श' किस विधा की रचना है–

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(क) आलोचना (ख) कहानी संग्रह

(ग) निबन्ध संग्रह (घ) उपान्यास

23. 'प्रायश्चित' किसकी रचना है–

(क) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (ख) रामधारी सिंह दिनकर

(ग) जयशंकर प्रसाद (घ) भगवतीचरण वर्मा

24. 'रेणुका' और 'हुँकार' किस विधा की रचना है–

(क) काव्य (ख) कहानी

(ग) आलोचना (घ) आत्मकथा

25. सही विकल्प का चयन करें–

(क) 'इरावती' वृन्दावनलाल वर्मा की रचना है।

(ख) 'मेरी असफलताएँ' बाबू गुलाबराय का निबन्ध संग्रह है।

(ग) 'जनमेजय का नागयज्ञ' रायकृष्ण दास का नाटक है।

(घ) 'सर्वोदय की बुनियाद' श्री हरिभाउ उपाध्याय की रचना है।

26. गद्य को कवियों की ..... क्या कहा गया है?

(क) भंगिमा (ख) ताल

(ग) कसौटी (घ) ये सभी।

27. 'सागर की लहरों पर' डॉ0 भगवतशरण उपाध्याय द्वारा रचित किस विधा की रचना है–

(क) निबन्ध (ख) यात्रावृत्त

(ग) आलोचना (घ) संस्मरण

28. एक अंक के नाटक को क्या कहा जाता है–

(क) एकांकी (ख) नाटक

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ग) पत्रिका (घ) कहानी

29. रायकृष्ण दास कौन थे?

(क) निबन्धकार (ख) आलोचक

(ग) गद्य गीतकार (घ) कवि

30. 'कलम का सिपाही' की रचना किसने की–

(क) वृन्दावनलाल शर्मा (ख) अमृतराय

(ग) प्रेमचन्द्र (घ) इनमें से कोई नहीं।

31. 'धर्मयुग' का सम्पादक कौन है?

(क) श्रीराम शर्मा (ख) प्रेमचन्द्र

(ग) धर्मवीर भारती (घ) महादेवी वर्मा

32. महादेवी वर्मा द्वारा रचित निबन्ध है–

(क) रेती के फूल (ख) क्षणदा

(ग) हंस (घ) उर्वशी

33. मुंशी प्रेमचन्द्र द्वारा सम्पादित पत्रिकाएँ है–

(क) मर्यादा और हंस (ख) छाया और प्रभा

(ग) सुधा और हंस (घ) सरस्वती

34. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सत्य है, उसे पहचानकर लिखिए।

(क) 'कनुप्रिया' धर्मवीर भारती का प्रसिद्ध उपन्यास है।

(ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी कवि एवं कहानीकार है।

(ग) बाबू गुलाबराय एक उपन्यासकार थे।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(घ) प्रेमचन्द्र कहानीकार एवं उपन्यासकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

35. अंजलि काव्य के रचयिता हैं–

(क) वियोगी हरि (ख) रामकुमार वर्मा

(ग) विष्णु प्रभाकर (घ) रामनरेश त्रिपाठी

36. हिन्दी गद्य के प्राचीनतम प्रयोग किस भाषा में मिलते हैं?

(क) राजस्थानी व ब्रजभाषा (ख) राजस्थानी और पहाड़ी भाषा

(ग) राजस्थानी व आधुनिक भाषा (घ) खड़ी बोली

37. 19वीं शताब्दी के द्वितीय एवं तृतीय चरण को क्या कहा जाता है?

(क) नवजागरण काल (ख) जागरण काल

(ग) आधुनिक काल (घ) इनमें से कोई नहीं।

38. जनजागरण का प्रारम्भ हिन्दी साहित्य के कौन से प्रदेश से हुआ है?

(क) बंग प्रदेश (ख) भव्य प्रदेश

(ग) साहित्य प्रदेश (घ) इनमें से कोई नहीं।

39. छायावादी युग के प्रमुख लेखक हैं–

(क) यशपाल (ख) वृन्दावन लाल वर्मा

(ग) रामकुमार वर्मा (घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

40. गुलाब राय द्वारा रचित आत्मकथा कौन–सी है?

(क) मेरा जीवन प्रवाह (ख) मन की बातें

(ग) मेरी असफलताएँ (घ) नई पौध

41. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन गलत है, उसे पहचानकर लिखिए–

(क) 'रस मीमांसा' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की रचना है।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ख) 'उर्वशी' राम सिंह 'दिनकर' का उपन्यास है।

(ग) 'मेरी असफलताएँ' बाबू गुलाब राय का निबन्ध है।

(घ) 'ध्रुवस्वामिनी' जयशंकर प्रसाद का नाटक है।

42. 'अजातशत्रु' किस विधा की रचना है?

(क) संस्मरण (ख) रेखाचित्र

(ग) नाटक (घ) कहानी

43. 'तितली' उपन्यास है–

(क) जयशंकर प्रसाद (ख) प्रेमचन्द्र

(ग) जैनेन्द्र (घ) यशपाल

44. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' किस विधा की रचना है?

(क) उपन्यास (ख) नाटक

(ग) आत्मकथा (घ) काव्य

45. 'परशुराम की प्रतीक्षा' के रचयिता है–

(क) अज्ञेय (ख) दिनकर

(ग) नगेन्द्र (घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी

46. निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक के लेखक का नाम लिखिए–

(क) अर्द्धनारीश्वर (ख) त्रिवेणी

(ग) एक घूँट (घ) ठूँठा आम।

47. 'परीक्षा गुरु' के लेखक हैं–

(क) इंशा अल्ला खाँ (ख) लाला श्रीनिवास दास

(ग) प्रेमचन्द्र (घ) सदासुख सुखलाल

48. 'हरी घास पर क्षण भर' के लेखक है–

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(क) धर्मवीर भारती (ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) अज्ञेय (घ) इनमें से कोई नहीं।

49. वीरगाथा काल के कवि है–

(क) भूषण (ख) केशवदास

(ग) चन्दबरदायी (घ) घनानन्द

50. भारत दुर्दशा रचना है–

(क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ख) रामकुमार वर्मा

(ग) भूषण (घ) रायकृष्ण दास

अतिलघुत्तरीय प्रश्न–

प्र0–2 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आदिकाल की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
2. वीरगाथाकाल की रचनाएँ कितने भागों में विभक्त हैं?
3. 'रासो ग्रन्थ' में प्रयुक्त हुई किन्हीं दो भाषाओं के नाम लिखिए।
4. भक्तिकाल से आप क्या समझते हैं?
5. भक्तिकाल की दो प्रमुख धाराओं के नाम लिखिए।
6. भक्तिकाल की विशेषताएँ बताइए।
7. भक्तिकाल के प्रतिनिधि किन्हीं दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।
8. कृष्ण–भक्ति के प्रवर्तक कौन थे?
9. 'विनयपत्रिका' के रचयिता हैं।
10. प्रमुख संत कवियों के नाम लिखिए।
11. प्रेमाश्रयी कवियों ने किस शैली में काव्य रचनाएँ कीं?
12. रीतिकाल का समय कब से कब तक माना जाता है?

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

13. रीतिबद्ध कवियों के काव्य में किसकी प्रधानता होती थी?
14. रीतिकाव्य की चार प्रमुख प्रवृत्तियों (विशेषताओं) का उल्लेख कीजिए।
15. रीतिकाल की मुख्य धाराओं के नाम लिखिए।
16. रीतिकाल के किसी एक कवि का नाम लिखिए।
17. रीतिमुक्त काव्य के किन्हीं दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
18. घनानन्द और चिन्तामणि रीतिकाल की किस धारा के कवि हैं।
19. आधुनिक हिन्दी काव्य को कितने कालों में बाँटा जा सकता है?
20. आधुनिक काल की दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
21. आधुनिक काल के दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
22. भारतेन्दु युगीन काव्य साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
23. भारतेन्दु युग के दो प्रमुख कवियों का नाम बताइए।
24. भारतेन्दु युग के किसी एक कवि एवं उसकी एक रचना लिखिए।
25. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की किन्हीं दो रचनाओं का उल्लेख करो।
26. द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।
27. अयोध्या सिंह 'उपाध्याय' किस युग के कवि हैं? उनकी एक रचना का नाम लिखिए।
28. रामनरेश त्रिपाठी की किसी दो कृतियों के नाम लिखिए।
29. द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
30. छायावादी युग की दो प्रवृत्तियाँ लिखिए।
31. 'छायावाद' के किसी दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।
32. त्रिलोचन के दो प्रसिद्ध काव्यों के नाम लिखिए।
33. किन्हीं दो प्रगतिवादी कवियों के नाम बताइए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

34. 'समय–समय पर' कविता के रचयिता कौन हैं?

35. 'आँगन के पार द्वार' के रचनाकार के नाम लिखिए।

36. प्रगतिवादी काव्य की विशेषता बताइए।

37. प्रयोगवादी काव्यधारा की दो विशेषताएँ लिखिए।

38. 'तारासप्तक' कब प्रकाशित हुआ?

39. 'तारासप्तक' के सम्पादक का नाम लिखिए।

40. अज्ञेय द्वारा रचित प्रयोगवादी कविता–संग्रहों के नाम लिखिए।

41. दो प्रमुख प्रयोगवादी कवियों के नाम लिखिए।

42. आधुनिक हिन्दी साहित्य का जन्मदाता किसे माना जाता है?

43. 'आनन्द अरुणोदय' किस कवि की रचना है।

44. 'नीरजा' तथा 'आकाश गंगा' के रचयिता के नाम लिखिए।

45. 'कामायनी' तथा 'दीपशिखा' के रचनाकारों के नाम लिखिए।

प्र0–3 निम्नलिखित गद्यांशों के आधार पर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सुन्दर प्रतिमा, मनभावनी चाल और स्वच्छन्द प्रकति ये ही दो चार बातें देखकर मित्रता की जाती है, पर जीवन–संग्राम में साथ देने वाले मित्रों में इनसे कुछ अधिक बातें होनी चाहिए। मित्र सच्चे पथ–प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें; भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीति–पात्र बना सकें। हमारे और हमारे मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए– ऐसी सहानुभूति जिससे एक के हानि–लाभ को दूसरा अपना हानि–लाभ समझे।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) लेखक ने मित्रता करने के लिए किन–किन आधारों का उल्लेख किया है?

2. कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बंधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन–दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) उपरोक्त गद्यांश में लेखक हमें क्या सन्देश देना चाहता है?

3. "गला सूख रहा है, साथी छूट गए हैं, अश्व गिर पड़ा है– इतना थका हुआ है, इतना!"– कहते कहते वह व्यक्ति धम से बैठ गया और उसके सामने ब्रह्माण्ड घूमने लगा। स्त्री ने सोचा, यह विपत्ति कहाँ से आई! उसने जल दिया, मुगल के प्राणों की रक्षा हुई। वह सोचने लगी– "सब विधर्मी दया के पात्र नहीं– मेरे पिता का वध करने वाले आततायी!" घृणा से उसका मन विरक्त हो गया।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) उपरोक्त गद्यांश में व्यक्ति की दशा का वर्णन कीजिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

4. मैं ब्रह्माणी हूँ, मुझे तो अपने धर्म–अतिथि देव की उपासना का पालन करना चाहिए, परन्तु यहाँ – – – – नहीं नहीं, सब विधर्मी दया के पात्र नहीं। परन्तु यह दया तो नहीं – – – – कर्त्तव्य करना है। तब मुगल अपनी तलवार टेक कर उठ खड़ा हुआ। ममता ने कहा– "क्या आश्चर्य है कि तुम भी छल करो ठहरो!" छल! नहीं, तब नहीं, स्त्री! जाता हूँ, तैमूर का वंशधर स्त्री से छल करेगा? जाता हूँ। भाग्य का खेल है।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) ममता के मन में क्या अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था?

5. जो तरुण संसार के जीवन–संग्राम से दूर है, उन्हें संसार का चित्र बड़ा ही मनमोहक प्रतीत होता है, जो वृद्ध हो गये हैं, जो वाल्यावस्था और तरुणावस्था से दूर हट आए हैं, उन्हें अपने अतीतकाल की स्मृति बड़ी सुखद लगती है। वे अतीत का ही स्वप्न देखते हैं। तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्जवल होता है, वैसे हली वृद्धों के लिए अतीत। वर्तमान से दोनों को असन्तोष होता है।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) जीवन संग्राम का अर्थ बताइए।

6. हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य का निर्माण हो रहा है। उसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है। पर कुछ ही समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्मारक

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

हो जाएगा और आज जो तरुण है, वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वप्न देखेंगे। उनके स्थान पर तरुणों का फिर दूसरा दल आ जायेगा, जो भविष्य का स्वप्न देखेगा। दोनों के ही स्वप्न सुखद होते हैं, क्योंकि दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) 'अतीत का स्मारक हो जायेगा' का अर्थ लिखिए–

7. भिन्न–भिन्न धर्मों को मानने वाले भी, जो सारी दुनिया के सभी देशों में बसे हुए हैं और जिस तरह यहाँ की बोलियों की गिनती आसान नहीं, उसी तरह यहाँ भिन्न–भिन्न धमों के सम्प्रदायों की भी गिनती आसान नहीं। इन विभिन्नताओं को देखकर अगर अपरिचित आदमी घबड़ाकर कह उठे कि यह एक देश नहीं अनेक देशों का समूह है" यह एक जाति नहीं अनेक जातियों का समूह है, तो इसमें आश्चर्य की बात नहीं।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) हमारी संस्कृति और सभ्यता का मूलमंत्र क्या है?

8. आज हम इसी निर्मल, शुद्ध, शीतल और स्वस्थ अमृत की तलाश में है और हमारी इच्छा, अभिलाषा और प्रयत्न यह है कि वह इन सभी अलग–अलग बहती हुई नदियों में अभी भी उसी तरह बहता रहे और इनको वह अमर–तत्व देता रहे, जो जमाने के हजारों थपेड़ों को

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

बरदाश्त करता हुआ भी आज भी हमारे अस्तित्व को कायम रखे हुए है।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) भारतीय संस्कृतिरुपी विशाल सागर का जल किसके द्वारा मलिन हो गया है।

9. दूसरी बात जो इस सम्बन्ध में विचारणीय है, वह यह है संस्कृति तथा सामूहिक चेतना ही हमारे देश का प्राण है। इस नैतिक चेतना के सूत्र से हमारे नगर और ग्राम, हमारे प्रदेश और सम्प्रदाय, हमारे विभिन्न वर्ग और जातियाँ आपस में बँधी हुई हैं। जहाँ उनमें सब तरह की विभिन्नताएँ हैं, वहाँ उन सब में एकता है। इसी बात को ठीक तरह से पहचान लेने से बापू ने जनसाधारण को बुद्धिजीवियों के नेतृत्व में क्रान्ति करने के लिए तत्पर करने के लिए इसी नैतिक चेतना का सहारा लिया था।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) लेखक के अनुसार विभिन्नता होते हुए भी हमें कौन सी भावना एक सूत्र में बाँधती है?

10. ईर्ष्या की बड़ी बेटी का नाम निन्दा है। जो व्यक्ति ईष्यालु होता है, वह बुरे किस्म का निन्दक भी होता है। दूसरों की निन्दा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार दूसरे लोग जनता अथवा मित्रों की आँखों से गिर जाएँगे और जो स्थान रिक्त होगा, उस पर अनायास ही बैठा दिया जाऊँगा।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) लेखक के अनुसार, निन्दा किसकी बड़ी बेटी है।

11. ईर्ष्या से बचने का उपाय मानसिक अनुशासन है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु स्वभाव का है, उसे फालतू बातों के बारे में सोचने की आदत छोड़ देनी चाहिए। उसे यह भी पता लगाना चाहिए जिस अभाव के कारण वह ईर्ष्यालु बन गया, उसकी पूर्ति का रचनात्मक तरीका क्या है? जिस दिन उसके भीतर यह जिज्ञासा आएगी, उसी दिन से वह ईर्ष्या करना कम कर देगा।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) ईर्ष्या से बचने के लिए क्या उपाय करना चाहिए?

12. ईर्ष्या का सम्बन्ध प्रतिद्वन्द्विता से होता है, क्योंकि भिखमंगा करोड़पति से ईर्ष्या नहीं करता। यह एक ऐसी बात है, जो ईर्ष्या के पक्ष में भी बढ़ सकती है, क्योंकि प्रतिद्वन्द्विता से मानसिक विकास होता है, किन्तु अगर आप संसार व्यापी सुयश चाहते हैं, तो आप रसेल के मतानुसार शायद नैपोलियन से स्पर्धा करेंगे, मगर याद रखिए कि नैपोलियन भी सीजर से स्पर्धा करता था और सीजर सिकन्दर से तथा सिकन्दर हरकुलिस से।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) लेखक के अनुसार ईर्ष्या का सम्बन्ध किससे है।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

13. जिन्दगी को मौत के पंजों से मुक्त कर उसे अमर बनाने के लिए आदमी ने पहाड़ काटा है। किस तरह इंसान की खूबियों की कहानी सदियों बाद आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाया जाय, इसके लिए आदमी ने कितने ही उपाय सोचे और किए। उसने चट्टानों पर अपने संदेश खोदे, ताड़ों से ऊँचे, धातुओं से चिकने पत्थर के खम्भे खड़े किये, ताँबे और पीतल के पत्तरों पर अक्षरों के मोती बिखेरे और उसके जीवन–मरण की कहानी सदियों के उतार पर सरकती चली आयी, चली आ रही है, जो आज हमारी अमानत विरासत बन गयी है।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) अजन्ता की गुफाओं के निर्माण का क्या उद्देश्य रहा है।

14. और उधर बन्दरों का चित्र है, कितना सजीव कितना गतिमान। उधर सरोवर में जल विहार करता वह गजराज कमलदण्ड तोड़–तोड़कर हथिनियों को दे रहा है। वहाँ महलों में वह प्यालों के दौर चल रहा है। उधर वह रानी अपनी जीवन यात्रा समाप्त कर रही है, उसका दम टूटा जा रहा है।

i) उपरोक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) लेखक के अनुसार चित्रों में वर्णित महल में किसका दौर चल रहा है।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

15. मानव सदा से ही अज्ञात के रहस्यों को खोलने और जानने समझने के लिए उत्सुक रहा है। जहाँ तक वह नहीं पहुँच सकता था वहाँ वह कल्पना के पंखों पर उड़कर पहुँचा। उसकी अनगढ़ और अविश्वसनीय कथाएँ उस सत्य के निकट पहुँचाने में प्रेरणा शक्ति का काम करती रहीं। अन्तरिक्ष युग का सूत्रपात 4 अक्टूबर, 1947 को हुआ था, जब सोसियत रूस ने अपना पहला स्पूतनिक छोड़ा। प्रथम अन्तरिक्ष यात्री बनने का गौरव यूरी गागरिन को प्राप्त हुआ। अन्तरिक्ष युग के आरम्भ के ठीक 11 वर्ष 9 माह 17 दिन बाद चन्द्रतल पर मानव उतरा।

i) उपरोक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) उपरोक्त गद्यांश में लेखक ने मनुष्य की किस प्रवृत्ति की ओर स्पष्ट किया है?

16. अभी चन्द्रमा के लिए अनेक उड़ाने होगी। दूसरों ग्रहों के लिए मानव रहित यान छोड़े जा रहे हैं। अन्तरिक्ष में परिक्रमा करने वाला स्टेशन स्थापित करने की दिशा में तेजी से प्रयत्न किये जा रहे हैं। ऐसा स्टेशन बन जाने पर ब्रह्माण्ड के रहस्यों की पर्तें खोजने में काफी सहायता मिलेगी। यह पृथ्वी मानव के लिए पालने के समान है। वह हमेशा हमेशा के लिए इसकी परिधि में बँधा हुआ नहीं रह सकता। अज्ञात की खोज में वह कहाँ तक पहुँचेगा, कौन कह सकता है?

i) गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) मानव किसकी परिधि में बँधा नहीं रहना चाहता और क्यों?

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्र0–4 निम्नलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए तथा इनका काव्य सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए–

1. चरण कमल बन्दौं हरि राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अन्धे कौ सब कुछ दरसाइ।।
बहिरौ सुनै, गूँग पूनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार बार बंदौ तिहि पाइ।।

2. उधौं मोहि ब्रज बिसरत नाहीं।
बृन्दावन गोकुल बन उपवन, सघन कुंज की छाँही।।
प्रात समय माता जसुमति अरु नंद देख सुख पावत।
माखन रोटी दह्यौ सजायो, अति हित साथ खवावत।।
गोपी ग्वाल बाल संग खेलत, सब दिन हसत सिरात।
सूरदास धनि धनि ब्रजबासी, जिनसौ हित जदु जात।।

3. निरगुन कौन देस को बासी?
मधुकर कहि समुझाइ सौंह दै, बूझति साँच न हाँसी।।
को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी?
केसो वरन, भेष है कैसो, किहिं रस मैं अभिलाषी?
पावैगौ पुनि कियो आपनौ, जो रे करैगौ गाँसी।
सुनत मौन है रह्यौ बावरौ, सूर सबै मत नासी।।

4. सहजहिं चले सकल जग स्वामी। मत्त मंजु बर कुजर स्वामी।।
चलत राम सब पुर नर नारी। पुलक पूरि तन भए सुखारी।।
बंद पितर सूर सुकृत सँभारे। जौं कछु पुन्य प्रभाऊ हमारे।।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

तौ सिवधनु मृनाल की नाईं। तोरहुँ रामु गनेस गोसाईं।।

5. उदित उदयगिर मंच पर रघुबर वालपतंग।
विकसे संत सरोज सब हरषे लोचन भृंग।।

6. काम कुसुम धनु सायक लीन्हे। सकल भुवन अपने बस कीन्हें।।
देबि तजिअ संसउ अस जानी। भंजन धनुष राम सुनु जानी।।
सखी वचन सुनि भै परतीती। मिटा विषादु बढ़ी अति प्राती।।
तब रामहिं बिलोकि बैदेही। सभय हृदय बिनवति जेहि तेहि।।

7. गुरहि प्रनामु मनहिं मन कीन्हा। अति लाघवँ उठाइ धनु लीन्हा।।
दमकेउ दामिनि जिमि जब लयऊ। पुनि नभ धनु मंडल सब भयऊ।।
लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़ै। काहुँ न लखा देखु सबु ठाढै।।
तेहि छन राम मध्य धनु तोरा, भरे भुवन धुनि घोर कठोरा।

8. सीस जटा उस बाहु विसाल, विलोचन लाल, तिरछी सी भौंहैं।
तून सरासन बान धरे, तुलसी बन मारग में सुठि सोंहै।।
सादर बारहिं बार सुभाय चितै तुम त्यों हमरो मन मोहैं।
पूछत ग्राम वधू सिय सो 'कहौ साँवरे से, साखि रावरे को है?

9. मानुष हौं तो वही रसखानि, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौ नित नंद की धेनु मझारन।।
पाहन हौ तो वहीं गिरि को, जो धर्‌यौ कर छत्र पुरंदर धारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं,मिलि कालिन्दि–कूल कदम्ब की डारन।।

10. मोर–पखा सिर ऊपर राखिहौ, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

ओढ़ पितम्बर लै लकुटी बन गोधन ग्वारन संग फिरौंगी।।
भावतो वोहि मेरी रसखानि, सो तेरे कहैं सब स्वाँग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की, अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।

11. मेरी भाव–बाधा हरौ, राधा नागर सोई।
जा तन की झाईं परै, स्यामु हरित–दुति होई।।

12. मोर–मुकुट की चंद्रिकनु,
यौ राजत नँदनंद।
मनु ससि सेखर की अकस,
किय सेखर सत चंद।।

13. जप माला छापा तिलक, सरै न एकौ कामु।
मन काँचै नाचै वृथा, साँचे राँचे रामु।।

14. या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोय।
ज्यौं ज्यौं बूड़े स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होई।।

15. दुसह दुराज प्रजानु कौं, क्यौं न बढ़ै दुख–दंदु।
अधिक अंधेरो जग करत, मिलि मावस रवि–चंदु।।

16. बुरौ बुराई जो तजै, तौ चितु खरौ डरातु।
ज्यौं निकंलकु मयंकु लखि, गनै लोग उतपातु।।

17. जौ चाहत चटक न घटै मैलो होइ न मित्त।
रज राजसु न छुवाइ तौ, नेह–चीकने चित्त।।

18. स्वारथु सुकृतु न श्रम वृथा,
देखि बिहंग विचारि।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

बाजि पराएँ पानि परि,

तूँ पच्छीन न मारि।।

19. गाय चाराती, धूप खिलाती, बच्चौं की निगरानी करती,

लड़ती अरि से तनिक न डरती, दल के दल सेना सँवारती,

घर आँखन, जनपथ बुहारती।

20. युग युग का पौराणिक स्वप्न हुआ मानव का सम्भव,

समारंभ शुभ नए चन्द्र–युग का भू को दे गौरव!

फहराए ग्रह उपग्रह में धरती का श्यामल अंचल,

सुख सम्पद् सम्पन्न जगत में बरसे जीवन मंगल।

21. नभ में गर्वित झुकता न शीश,

पर अंक लिए है दीन क्षार;

मन गल जाता नत विश्व देख

तन सह लेता है कुलिश–भार!

कितने मृदु कितने कठिन प्राण!

22. सौरभ भीना झीना गीला,

लिपटा मृदु अंजन सा दुकुल,

चल अंचल से झर–झर झरते

पथ में जुगनू के स्वर्ण–फूल,

दीपक से देता बार बार

तेरा उज्जवल चितवन–विलास।

रुपसि तेरा घन केश–पाश।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

23. सागर निज छाती पर जिनके, अगणित अर्णव–पोत उठाकर।
पहुँचाया करता था प्रमुदित, भूमंडल के सकल तटों पर।।
नदियाँ जिसकी यशधारा सी, बहती है अब भी निशि–वासर।
ढूँढ़ो उनके चरण–चिन्ह भी, पाओगे तुम इनके तट पर।।

24. सच्चा प्रेम वही है जिसकी, तृप्ति आत्म–बलि पर हो निर्भर।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है, करो प्रेम पर प्राण निछावर।।
देश प्रेम वह पुण्य क्षेत्र है, अमल असीम त्याग से विलसित।
आत्मा के विकास से जिसमें, मनुष्यता होती है विकसित।।

25. चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी–माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड़ लेना बनमाली, उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ पर जावें वीर अनेक।

26. बुंदेलों हरबोलों के मुख, हमने सुनी कहानी।
खूब लड़ी मरदानी वह थी, झाँसी वाली रानी।।
यह समाधि, यह चिर समाधि है, झाँसी की रानी की।
अन्तिम लीला स्थली यही है, लक्ष्मी मरदानी की।।

27. भारत माता का मन्दिर यह
समता का संवाद जहाँ
सबका शिव कल्याण यहाँ है

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

पावे सभी प्रसाद यहाँ।
जाति–धर्म या सम्प्रदाय का,
नहीं भेद–व्यवधान यहाँ,
सबका स्वागत, सबका आदर
सबका सम सम्मान यहाँ।
राम, रहीम, बुद्ध, ईसा का,
सुलभ एक सा ध्यान यहाँ,
भिन्न–भिन्न भव संस्कृतियों के
गुण गौरव का ज्ञान यहाँ।

28. ओ जंगल युवा,
बुलाते हो आता हूँ
एक हरे बसन्त में डूबा हुआ
आडताड हूँ.....।

29. अगर धीरे चलों
वह तुम्हें छू लेगी
दौड़ो तो छूट जायेगी नदी
अगर ले लो साथ
वह चलती चली जायेगी कहीं भी
यहाँ तक कि कबाड़ी की दुकान तक भी।

30. फूल झरता है
फूल शब्द नहीं
बच्चा गेंद उछालता है,

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

सदियों के पार

लोकती है उसे एक बच्ची!

.....

रहेंगे फिर भी शब्द

भाषा एकमात्र अनन्त है!

31. ऐसा रण राणा करता था,

पर उसको था सन्तोष नहीं।

क्षण क्षण आगे बढ़ता था वह,

पर काम होता था रोष नहीं।।

कहता था लड़ता मान कहाँ

मैं कर लू रक्त स्नान कहाँ

जिस पर तय विजय हमारी है,

वह मुगलों का अभिमान कहाँ?

प्र0–5क) निम्नांकित लेखकों का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक रचना का उल्लेख कीजिए–

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (2) जयशंकर प्रसाद

(3) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (4) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

(5) रामधारी सिंह 'दिनकर' (6) डॉ0 भगवतशरण उपाध्याय

(7) जयप्रकाश भारती

प्र0–5ख) निम्नांकित कवियों का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए–

(1) सूरदास (2) गोस्वामी तुलसीदास

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(3) रसखान (4) बिहारी लाल

(5) सुमित्रानन्दन पंत (6) महादेवी वर्मा

(7) रामनरेश त्रिपाठी (8) माखन लाल चतुर्वेदी

(9) सुभद्राकुमारी चौहान (10) मैथिलीशरण गुप्त

(11) केदारनाथ सिंह (12) अशोक वाजपेयी

(13) श्यामनारायण पाण्डेय

प्र0–6) निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

1. इयं नगरी विविधधर्माणां संगमस्थली। महात्मा बुद्धः, तीर्थांकरः, पार्श्वनाथः शंकङराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान् प्रसारयन्। न केवलं दर्शने, साहित्ये, धर्मे, अपितु कलाक्षेत्रेपि इयं नगरी विविधानां कलानां, शिल्पानाञ्च कृते लोके विश्रुता। अत्रत्याः कौशेयशाटिकाः देशे देशे सर्वत्र स्पृह्यन्ते। अत्रत्याः प्रस्तरमूर्तयः प्रथिताः। इयं निजा प्राचीनपरम्पराम् परिपालयति।

2. न वै ताड्नात् तापनाद् बह्निमध्ये।
   न वै विक्रयात क्लिश्यमानोऽहमस्मि।।
   सुवर्णस्य में मुख्यदुःखं तदेकं।
   यतो मां जना गुञ्जया तोलयन्ति।।

3. नीर–क्षीर–विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
   विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

4. बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः।
   उभयत्र समो वीरः वीर भावो हि वीरता।।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

5. एकदा बहवः जनाः धूमयानाम् (रेलगाड़ी) आरुह नगरं प्रति गच्छन्ति स्म। तेषु केचित् ग्रामीणाः केचिच्च नागरिकाः आसन्। मौनं स्थितेषु तेषु एकः नागरिकः ग्रामीणान् उपहसन् अकथयत्, "ग्रामीणाः अद्यापि पूर्ववत अशिक्षिताः अज्ञाश्च सन्ति। न तेषा विकासः अभवत् न च भविंतु शक्नोति।" तस्य तादृशं जल्पनं श्रुत्वा कोऽपि चतुरः ग्रामीणः अब्रवीत्, "भद्र नागरिक! भवान्! भवान् एव चिञ्चित् ब्रवीतु, यतो हि भवान् शिक्षितः बहुचः च अस्ति।"

6. इदम् आकर्ण्य स नागरिकः सदर्पो ग्रीवाम् उन्नमय्य अकथयत्,– "कथयिस्यामि परं पूर्व समयः विधातव्यः।" तस्य तां वार्तां श्रुत्वा स चतुरः ग्रामीणः अकथयत् "भोः वयम् अशिक्षिताः भवान् च शिक्षितः वयम् अल्पज्ञाः भवान् च बहुज्ञः, इत्येवं विज्ञाय अस्माभिः समयः कर्त्तव्यः वयं परस्परं प्रहेलिकां प्रक्ष्यामः। यदि भवान् उत्तरं दातुं समर्थाः न भविष्यति तदा भवान् दशरुप्यकांणि दास्यति। यदि वयमं उत्तरं दातुं समर्थाः न भविष्यामः तदा दशरुप्यकाणाम् अर्धं पञ्चरुप्यकाणि दास्यामः।"

7. भारतीया संस्कृति तु सर्वेषां मतावलम्बिनां संगमस्थली। काले काले विविधाः विचाराः भारतीयसंस्कृतौ समाहिताः। एषा संस्कृतिः सामासिकी संस्कृतिः यस्याः विकासे विविधानां जातीनां, सम्प्रदायानां, विश्वासनाञ्च योगदानं दृश्यते। अतएव अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृति एका च राष्ट्रियता।

8. माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा।
   मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात।।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

9. मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

10. सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः।
आतुरस्य भिषङ् मित्रं दानं मित्रं मरिष्यतः।।

11. बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः।
उभयत्र समो वीरः वीरभावो हि वीरता।।

12. अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते। मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति। अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति। एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानवजीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभुतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चेति।

प्र0–7क) अपने पाठ्यपुस्तक में दिये हुए श्लोक को कण्ठस्थ कीजिए।

प्र0–7ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए।

1. वाराणसी नगरी कस्याः नद्याः कूले स्थिता?
2. कुत्र मरणं मंगलं भवति?
3. वाराणसी किमर्थं प्रसिद्धा?
4. वाराणस्यां कति विश्वविद्यालयाः सन्ति?
5. वाराणसी नगरी केषां संगमस्थली अस्ति?
6. अत्यन्त सरसहृदयों कः अस्ति?
7. कूपः कथं न दुःखी भवेत्?

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

8. कविः कोकिलं किं कथयति?

9. कविः चातकं किम् उपदिशति?

10. अम्भोदा कुत्र वसन्ति?

11. सुवर्णस्य मुख्यं दुःखं किम् अस्ति?

12. भ्रमरः चिन्तयति गजः किम् अकरोत?

13. नीर–क्षीर–विषये हंसस्य का विशेषता अस्ति?

14. पुरुराज कः आसीत्?

15. किं जित्वा भोक्ष्यसे महीप्?

16. पुरुराज कः आसीत्?

17. वीरभावो किं कथ्यते?

18. अस्माकं राष्ट्रम् कीदृशम् अस्ति?

19. गीतायाः कः सन्देशः?

20. हिमालयस्य दक्षिण दिशायां कः अस्ति?

21. जनाः धूमयानम् आरुह्य कुत्र गच्छन्ति स्म?

22. ग्रामीणान् कः उपाहसत्?

23. कः शिक्षितः बहुज्ञः अस्ति?

24. कः प्रथमं प्रहेलिकां पृच्छति?

25. ज्ञानं कुत्र सम्भवति?

26. नागरिकः अधिकं लज्जमानः किम् अब्रवीत?

27. रेलयानात् अवतीर्य कः स्वग्रामं प्रति अचलत्?

28. चन्द्रशेखरः कः आसीत्?

29. चन्द्रशेखरः स्वगृहस्य विषये किम् अकथयत्?

30. दुर्मुखः कः आसीत्?

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

31. राष्टभक्तः कः अस्ति?

32. मैत्री केन वर्धते?

33. दारिद्रयम् केन वर्धते?

34. समुद्रः केन वर्धते?

35. विद्या केन वर्धते?

36. कलहः केन वर्धते?

37. दुःखम् केन वर्धते?

38. श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत्?

39. श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत्?

40. 'आरुणिः श्वेतकेतुः संवादः" कस्मात, ग्रन्थात उद्धृतः अस्ति?

41. भारतीय संस्कृतेः किं तात्पर्यम् अस्ति?

42. संस्कृतेः अर्थः कः?

43. भारतीय संस्कृतेः मूलम् किम् अस्ति?

44. भारतीय–संस्कृतौ कः विशेषः गुणः अस्ति?

45. सर्वेषु उत्तमं धनं किम् अस्ति?

46. सुखानां किम् उत्तमम् अस्ति?

47. खात् (आकाशात्) उच्चतरं किम् अस्ति?

48. नरः किं हित्वा न शोचति?

49. अनृतं केन जयते?

50. मरिष्यतः किं मित्रं भवति?

प्र0–8क) हास्य और करुण रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

ख) उपमा, रुपक और उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

ग) सोरठा और रोला छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र0–9 क) निम्नलिखित उपसर्गों के मेल से शब्द बनाइये–

i) अभि, अति, दुर, परा, परि, अ, अध, उन, औ, कु, अप, सम, स, सु, प्र, परि, उत्, उद्, अव आदि।

ख) निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग करके शब्द बनाइए–

अन, अ, अनीय, अयन, ता, हरा, जन्य, पन, पा, ई, ईय, प्रद, पूर्वक, स्था, ला, मती, वती आदि।

ग) निम्नलिखित में से समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए–

हरा–भरा, तन–मन, राधा–कृष्ण, त्रिवेणी, त्रिभुवन, पंचतत्व, श्वेतकमल, बज्रदेह, शुभकर्म, महाकवि, नीलकण्ठ इत्यादि।

घ) निम्नलिखित के तत्सम रुप लिखिए–

गात, आधा, आसरा, आँसू, कलेस, काम, काज, काठ, कुँआ, आज, अनाज, अम्मा, इमली, होली, हाथी, हड्डी, फूल, पूत, हिय, सेज, हाथ, हँसी, लाख, लोन, रुखा, पाथर, कडुवा, कोयल, कंगन, कपूर, खीर, कबूतर, चरन, सीख, सूरज, सात, माता, थल, दाँत इत्यादि।

ङ) निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए–

अतिथि, अमृत, अग्नि, अन्वेषण, अश्व, असुर, अध्यापक, आँख, आभूषण, आनन्द, इन्द्र, ईश्वर, उग्र, उत्पन्न, उद्यान, कपड़ा, कोयल, क्रोध, कृष्ण, खल, गणेश, गंगा, गाय, घर चन्द्रमा, छवि, जल, झण्डा, तलवार, तालाब, तरंग, तीर, दिन, शरीर, शहद, विष्णु, शत्रु, शेर, शुभ्र, समुद्र इत्यादि।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्र0–10क) निम्नलिखित शब्दों का सन्धि–विच्छेद कीजिए तथा संधि का भी नाम बताइए।

(1)	मैवम्	(2)	नैवम्	(3)	सदैव
(4)	तथैव	(5)	इत्यादि	(6)	जलौघः
(7)	स्वागतम्	(8)	रमौदार्यम्	(9)	नद्यस्ति
(10)	मध्वास्वादनम्	(11)	मध्वरिः	(12)	अत्याचारः
(13)	गृहौषधिः	(14)	रमौदार्यम्	(15)	मात्राज्ञा।

प्र0–10ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'फल' शब्द की सप्तमी विभक्ति का एकवचन लिखो।
2. निम्नलिखित शब्दों के रुपों में विभक्ति और वचन बताइए।

   फलानि, मतिः, नदी।
3. निम्नलिखित शब्दों के रुप निर्देशानुसार लिखिए।

i) 'फल' शब्द की षष्ठी विभक्ति का बहुवचन लिखिए।

ii) 'युष्मद्' शब्द की प्रथम विभक्ति का बहुवचन लिखिए।

4. निम्नलिखित शब्दों की प्रथमा विभक्ति के तीनों वचन बताइए।

(1) तद (वह) पुल्लिंग) (2) तद् (वह) स्त्रीलिंग (3) नपुंसकलिंग।

5. 'तस्मै' शब्द की विभक्ति और वचन बताइए।
6. 'यूयम्' शब्द की विभक्ति व वचन बताइए।

प्र0–10ग) निम्नलिखित शब्दों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए।

अपठताम्, हसेतम्, प्रक्ष्यामः, पश्यामः, पठेयुः, अहसम्, पश्यति, पचताम्, पठावः, पश्यामि इत्यादि।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्र0–10घ) निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

1. कल मैं विद्यालय जाऊँगा।
2. पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
3. मैं विद्यालय जाऊँगा।
4. यह राम की किताब है।
5. मार्ग के दोनों ओर भवन हैं।
6. सन्तोष उत्तम सुख है।
7. देशभक्त निर्भीक होते हैं।
8. वाराणसी धर्मों की संगमस्थली है।
9. तुम दोनों समाचार पत्र पढ़ो।
10. भोजन पकाओ और खाओ।

प्र0–11) निम्नलिखित विषय पर अपनी भाषा–शैली में निबन्ध लिखिए।

1. व्यायाम का महत्व।
2. यातायात के नियम।
3. बेरोजगारी की समस्या और समाधान।
4. राष्ट्रीय एकता का महत्व।
5. विद्यार्थी और अनुशासन।
6. मेरे प्रिय कवि– गोस्वामी तुलसीदास।
7. स्वदेश प्रेम।
8. परोपकार।
9. कम्प्यूटर – आज की आवश्यकता।
10. विज्ञान – वरदान या अभिशाप।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्र0–12) अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

क) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

ख) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ग) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर षष्ठ सर्ग का सारांश लिखिए।

ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'कैकेयी' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

घ) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर 'सुभाष चन्द्र बोस' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय और तृतीय सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

ङ) i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

च) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

छ) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का सारांश लिखिए।

ज) i) 'मेवाड़ मुकुट' के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

ii) 'मेवाड़ मुकुट; खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

झ) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

******

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE